बुधवार
01 जुलाई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 158
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

होम स्टे योजना में भ्रष्टाचार मामला

पर्यटन विकास अधिकारी निलंबित

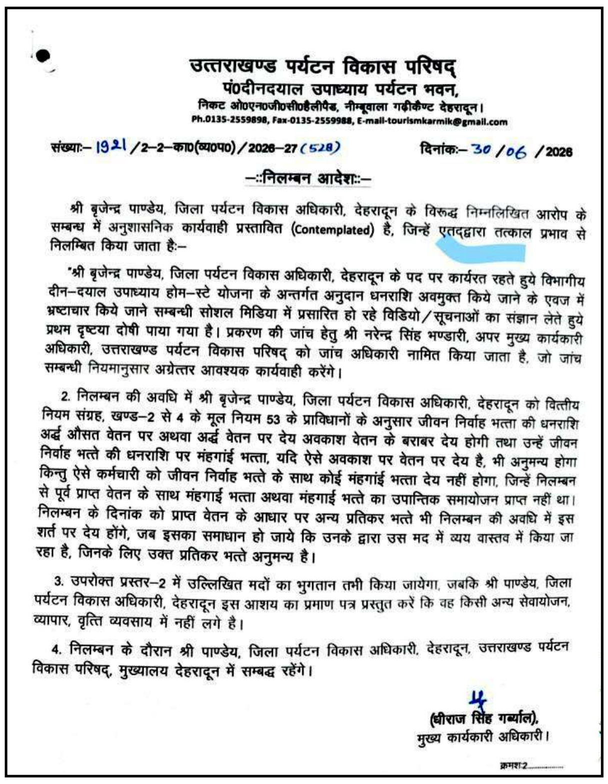

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्
पं0दीनदयाल उपाध्याय पर्यटन भवन,
निकट ओ0एन0जी0सी0हैलीपैड, नीम्बूवाला गढ़ीकैण्ट देहरादून।
Ph.0135-2559898, Fax-0135-2559988, E-mail-tourismkarmik@gmail.com

संख्याः– 1921 /2–2–का0(व्य0प0)/2026–27 (528) दिनांकः– 30 /06 /2026

–::निलम्बन आदेश::–

श्री बृजेन्द्र पाण्डेय, जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून के विरूद्ध निम्नलिखित आरोप के सम्बन्ध में अनुशासनिक कार्यवाही प्रस्तावित (Contemplated) है, जिन्हें एतद्द्वारा तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाता हैः–

"श्री बृजेन्द्र पाण्डेय, जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून के पद पर कार्यरत रहते हुये विभागीय दीन–दयाल उपाध्याय होम–स्टे योजना के अन्तर्गत अनुदान धनराशि अवमुक्त किये जाने के एवज में भ्रष्टाचार किये जाने सम्बन्धी सोशल मिडिया में प्रसारित हो रहे विडियो/सूचनाओं का संज्ञान लेते हुये प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। प्रकरण की जांच हेतु श्री नरेन्द्र सिंह भण्डारी, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् को जांच अधिकारी नामित किया जाता है, जो जांच सम्बन्धी नियमानुसार अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

2. निलम्बन की अवधि में श्री बृजेन्द्र पाण्डेय, जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून को वित्तीय नियम संग्रह, खण्ड–2 से 4 के मूल नियम 53 के प्राविधानों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता की धनराशि अर्द्ध औसत वेतन पर अथवा अर्द्ध वेतन पर देय अवकाश वेतन के बराबर देय होगी तथा उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि पर मंहगांई भत्ता, यदि ऐसे अवकाश पर वेतन पर देय है, भी अनुमन्य होगा किन्तु ऐसे कर्मचारी को जीवन निर्वाह भत्ते के साथ कोई मंहगांई भत्ता देय नहीं होगा, जिन्हें निलम्बन से पूर्व प्राप्त वेतन के साथ मंहगाई भत्ता अथवा मंहगाई भत्ते का उपान्तिक समायोजन प्राप्त नहीं था। निलम्बन के दिनांक को प्राप्त वेतन के आधार पर अन्य प्रतिकर भत्ते भी निलम्बन की अवधि में इस शर्त पर देय होंगे, जब इसका समाधान हो जाये कि उनके द्वारा उस मद में व्यय वास्तव में किया जा रहा है, जिनके लिए उक्त प्रतिकर भत्ते अनुमन्य है।

3. उपरोक्त प्रस्तर–2 में उल्लिखित मदों का भुगतान तभी किया जायेगा, जबकि श्री पाण्डेय, जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें कि वह किसी अन्य सेवायोजन, व्यापार, वृत्ति व्यवसाय में नहीं लगे है।

4. निलम्बन के दौरान श्री पाण्डेय, जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्, मुख्यालय देहरादून में सम्बद्ध रहेंगे।

(धीराज सिंह गर्ब्याल),
मुख्य कार्यकारी अधिकारी।

क्रमशः2.........

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) ने देहरादून के जिला पर्यटन विकास अधिकारी बृजेंद्र पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय होम-स्टे योजना के तहत अनुदान राशि जारी करने के एवज में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं।

प्रथम दृष्टया आरोपों को गंभीर मानते हुए परिषद ने उनके खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और विभिन्न सूचनाओं में होम–स्टे योजना के तहत अनुदान वितरण में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। इन आरोपों का संज्ञान लेते हुए बृजेन्द्र पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। मामले की जांच के लिए परिषद के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र सिंह भण्डारी को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें नियमानुसार जांच पूरी कर आवश्यक कार्वाई के लिए अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निलंबन अवधि के दौरान बृजेन्द्र पाण्डेय का मुख्यालय उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून रहेगा। इस अवधि में उन्हें वित्तीय नियमों के तहत देय जीवन-निर्वाह भत्ता एवं अन्य अनुमन्य भत्ते दिए जाएंगे। साथ ही, उन्हें यह प्रमाणित करना होगा कि निलंबन अवधि के दौरान वे किसी अन्य सरकारी या निजी सेवा, व्यापार अथवा व्यवसाय से जुड़े नहीं हैं।

भारी बारीश से शहर में जल भराव, जनता बेहाल

संवाददाता

देहरादून। भारी बारीश के चलते शहर में जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जगह-जगह जल भराव दुर्घटनाओं को दावत देते दिखायी दे रहे हैं। यह नजारा देखते हुए लोग सोचने को मजबूर हो गये हैं कि यह स्मार्ट सिटी है या फिर स्विमिंग सिटी है। जहां चारों तरफ पानी ही पानी है।

उल्लेखनीय है राज्य निर्माण के बाद दून शहर प्रयोगशाला बन गया है। आये दिन यहां पर कोई न कोई प्रयोग होते दिखायी देते रहते हैं। अभी लोग जाम के झाम से निजात नहीं पा पाये थे। ऊपर से कोढ में खाज का काम स्मार्ट सिटी के नाम से शुरू कर दिया। स्मार्ट सिटी के नाम पर जगह-जगह खुदाई शुरू हो गयी। लेकिन उसका कोई विकल्प जनता के लिए नहीं छोडा गया। शहर जैसे

गढडों का शहर बनता जा रहा है। अधिकारी एसी कार्यालयों में बैठकर योजनाएं बना रहे हैं और धरातल में क्या हो रहा है इस बारे में उनको कोई जानकारी नहीं है। जहां एक ओर गर्मी के चलते लोगों के हलक सूख रहे थे तो बारिश के आते ही लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। लेकिन जब वही लोग घरों से बाहर सडकों पर आये तो उनकी आफत आ गयी। जगह-जगह पानी का भराव व चलने में काफी दिक्कत दिखायी दे रही थी। वहीं एक डर यह भी लोगों को सता रहा था कि कहीं कोई गढडे में न गिर जाये। क्योंकि स्मार्ट सिटी के गढडे पानी से भर गये और अब चारों तरफ पानी ही पानी दिखायी दे रहा था गढडे पानी के कारण छुप गये जिसके चलते लोगों को सडकों पर चलना भी जोखिम लग रहा था। जहां एक ओर लोगा बारिश के आते ही चहकने लगे थे वहीं अब वह बारिश रूकने की दुआ मांगते दिखायी दिये। यह हाल है इस स्मार्ट सिटी का। अब तो लोग यह भी कहते सुनायी देते दिखायी दे रहे हैं कि 'इसको स्मार्ट सिटी नहीं अपना पुराना देहरादून ही रहने दो'। अब लोग सोचने पर मजबूर हो गये हैं कि क्या राज्य बनाकर उन्होंने गलत कर दिया है। पहले चाहे अधिकारी व नेता लखनऊ में रहते थे लेकिन शहर का विकास होता रहता है लेकिन अब राज्य बनने के बाद विकास के नाम पर विनाश होता दिखायी दे रहा है। यह बात तो साफ हो गयी है कि शहर के विकास की पोल बारिश ने पूरी तरह खोलकर रख दी है कि शहर का कितना विकास हुआ है। क्यों बारिश के शुरू होते ही शहर पानी-पानी हो गया है। जिससे लोगों की जान आफत में आ गयी। अगर इसी प्रकार का विकास होता रहा तो वह दिन दूर नहीं कि लोग कहने को मजबूर हो जायेंगे कि सडक में गढडे हैं या फिर गढडों में सडक का निर्माण हो रखा है। अब तो इस शहर का भगवान ही मालिक है।

दून वैली मेल

संपादकीय

उत्तराखण्ड में मानसूनी दस्तक

उत्तराखण्ड में आखिरकार मानसून ने दस्तक दे ही दी है। करीब 10 दिन की देरी से पहुंचे मानसून के साथ अब प्रदेश भर में बारिश का दौर शुरू हो गया है। मानसून के आने के साथ ही प्रदेश भर में लोगो को गर्मी से राहत मिली है। वहीं इस मानूसनी बारिश के झमाझम चलने के कारण राज्य के नदी नाले उफान पर आ गये है। जिस कारण लोगो को परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। राज्य की राजधानी देहरादून की बात करें तो यहां देर रात से हो रही बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर चुका है। जिसके चलते लोगों को आवागमन में भी दिक्कते आ रही है। कहने को तो राजधानी देहरादून को स्मार्ट सिटी बनाने की तो बात लम्बे समय से की जा रही है लेकिन बीते रोज से हो रही बरसात ने इसकी पोल खोलकर रख दी है। बात अगर राज्य के पहाड़ी जिलों की की जाये तो बीते वर्ष की मानसूनी बारिश के कारण पहाड़ो में आपदा का दौर शुरू हो गया था। जिसमे कई लोगों को अपनी जान माल से हाथ धोना पड़ा था। उत्तराखण्ड में आपदा का यह कहर राज्य के दोनो मंडलों में देखने को मिला था। गढ़वाल मंडल में उत्तरकाशी जनपद सहित कई जिले जहां आपदा की चपेट में आये थे वहीं कुमाऊं मंडल भी आपदा से अछुता नही रहा था। यहां भी कई सड़के बह जाने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिस कारण खाद्य सामग्री भी दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचाना शासन-प्रशासन के लिए मुश्किल हो गया था। हालांकि मानूसन काल समाप्त होते ही शासन प्रशासन द्वारा राज्य की कई सड़कों को ठीक कर दिया गया जबकि अब भी कई पुलो व पुलियाओं को ठीक करने का काम आज भी जारी है। राजधानी देहरादून में बीते वर्ष मानसून के दौरान हुई बारिश से कई घर मकान बह गये थे। जिनमें मालदेवता, सहस्त्रधारा गढ़ी कैंट के दुरस्त इलाके व रानीपोखरी शामिल थे। देखना होगा कि इस वर्ष मानूसनी बारिश जिसका इंतजार गर्मी के कारण सभी लोग कर रहे थे उत्तराखण्ड पर इसका क्या असर पैदा करता है।

छात्रों ने सफाईकर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित

हमारे संवाददाता

देहरादून। क्लासरूम से निकलकर जमीन से जुड़ने की मिसाल पेश करते हुए, यूपीईएस यूनिवर्सिटी के छात्रों ने आईएलएसईएफ में चल रहे सृजन सोशल इंटरशिप प्रोग्राम के तहत एक प्रेरणादायक 'सम्मान समारोह' आयोजित किया गया। इस समारोह का उद्देश्य था उन नगर निगम सफाई कर्मियों को सम्मान देना, जो रोज सुबह-सुबह शहर को स्वच्छ रखकर हमारी जिंदगी आसान बनाते हैं, पर अक्सर पर्दे के पीछे रह जाते हैं।

देहरादून के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने सफाई कर्मियों के 'उत्कृष्ट कार्य' को सलाम किया। छात्र समिति कुशाग्र, आदित्य, अदिति, आरुषि, प्रसिद्धि, नमन और सत्यव्रत ने एक महा जमीनी स्तर पर काम करने वाले सफाई कर्मियों से मिलकर उनके संघर्ष को समझा और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को स्वच्छता मित्र सम्मान हेतु मंच पर आमंत्रित किया। समाज के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए आशू, आशीष, संयम, अजय, रेनू, सुमन और आरती जो नगर निगम सफाई कर्मी है, को छात्रों द्वारा सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सम्मान समारोह आयोजित कर पारंपरिक शॉल, स्मृति चिह्न स्वच्छता किट भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनमोहन बिष्ट ने कहा कि स्वच्छता केवल नगरपालिका का काम नहीं है। ये हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। अगर हर नागरिक अपने आस-पास 2 कदम सफाई का योगदान दे दे, तो 'स्वच्छ भारत' का सपना 10 साल पहले पूरा हो जाएगा। आज हम जिन हाथों को सलाम कर रहे हैं, वही हाथ हमारे शहर की रीढ़ हैं। जिन्हे सम्मान देना हमारी कृतज्ञता है,और बदलाव लाना हमारा कर्तव्य। कार्यक्रम में अमित उपाध्याय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छात्र-नेतृत्व में नागरिक पहलों की सराहना की और कहा कि उच्च शिक्षा तभी सार्थक है जब वो समाज की सेवा में लगे। कार्यक्रम आईएटीआर की फैकल्टी मेंबर्स मैम रिया और मैम वैशाली थापा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विपक्ष में बिखराव के बीच भाजपा की 'प्रो-एक्टिव' पॉलिटिक्स

कार्यालय संवाददाता

◆उत्तराखंड में तीसरी बार कमल खिलाने के लिए भाजपा का मिशन मोड

◆आगामी चुनाव के लिए भाजपा ने झोंकी ताकत, घर-घर पहुंचेगी उपलब्धियों की लिस्ट

◆विकास पखवाड़े के जरिए भाजपा की आखिरी व्यक्ति तक पहुंचने की कवायद शुरु

देहरादून। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपने पुराने प्रदर्शन में सुधार करने और सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीति पर काम तेज कर दिया है। पार्टी ने विकास पखवाड़ा को जनसंपर्क और जनकल्याण की नई मुहिम के रूप में आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसके माध्यम से सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। भाजपा का मानना है कि लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का रास्ता केवल राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि जनता तक योजनाओं की वास्तविक पहुंच और उनके प्रभावी क्रियान्वयन से होकर गुजरता है। यही वजह है कि संगठन और सरकार दोनों विकास पखवाड़े को मिशन मोड में संचालित करने की तैयारी में जुट गए हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार विकास पखवाड़े के दौरान बूथ स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, महिला सशक्तीकरण और स्वरोजगार से जुड़े कार्यों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई जाएगी। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं को लोगों की समस्याएं सुनने और उनके समाधान के लिए प्रशासन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी दी जाएगी। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि जनता के बीच लगातार संवाद और योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार से सरकार के प्रति विश्वास और मजबूत होगा।

राजनीतिक दृष्टि से भाजपा उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां पिछले चुनावों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं रहा था। पार्टी संगठन ने ऐसे विधानसभा क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष रणनीति बनाने के संकेत दिए हैं। स्थानीय मुद्दों, क्षेत्रीय असंतोष और जन अपेक्षाओं को समझते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को तेज किया जा रहा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि पार्टी केवल अपनी उपलब्धियों का प्रचार नहीं करेगी, बल्कि जनता से फीडबैक लेकर कमियों को दूर करने का प्रयास भी करेगी। यही कारण है कि विकास पखवाड़े को जनसंवाद और जनविश्वास के अभियान के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा लंबे समय से अंत्योदय की अवधारणा को अपनी राजनीति का आधार बताती रही है। पार्टी का दावा है कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उसका लक्ष्य है। विकास पखवाड़े के दौरान भी इसी सोच को केंद्र में रखा गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा इस अभियान के माध्यम से दोहरे उद्देश्य साधना चाहती है। पहला, सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना और दूसरा, आगामी चुनाव से पहले संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करना। हालांकि भाजपा इस अभियान को पूरी तरह विकास और जनसेवा से जोड़कर देख रही है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे आगामी चुनावों की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा कोई भी राजनीतिक जोखिम लेने के मूड में नहीं दिख रही है। ऐसे में विकास पखवाड़ा केवल सरकारी योजनाओं के प्रचार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता से सीधा संवाद स्थापित कर अपने पुराने प्रदर्शन में सुधार करने और नए राजनीतिक समीकरण बनाने की एक व्यापक रणनीति के रूप में उभरता दिखाई दे रहा है।

उत्तराखंड की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का संकट

कार्यालय संवाददाता

◆प्रदेश में ढाई दशक में बूढ़ा वट वृक्ष बनकर रह गई उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति

◆जिस पहचान और अस्मिता के दम पर खड़ा हुआ था आंदोलन, राष्ट्रीय दलों के चक्रव्यूह में फंसा

◆आज खुद अपने ही घर में बेगाना हो गया है एकमात्र क्षेत्रीय दल उत्तराखंड क्रांति दल

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में एक समय ऐसा भी था, जब क्षेत्रीय दलों की आवाज सत्ता के गलियारों में मजबूती से गूंजती थी। अलग राज्य आंदोलन के दौरान और उसके बाद शुरुआती वर्षों में क्षेत्रीय राजनीति केवल चुनावी विकल्प नहीं, बल्कि पहाड़ की अस्मिता, स्थानीय अधिकारों और जनभावनाओं की प्रतिनिधि मानी जाती थी। लेकिन आज जब राज्य अपने गठन के ढाई दशक पूरे करने की ओर बढ़ रहा है, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति का दौर समाप्ति की ओर है?

उत्तराखंड राज्य आंदोलन की लड़ाई में एकमात्र क्षेत्रीय दल, उत्तराखंड क्रांति दल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राज्य गठन के बाद लोगों को उम्मीद थी कि यह दल प्रदेश की राजनीति में एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरेगा और स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय दलों के मुकाबले अधिक मजबूती से उठाएगा। शुरुआती चुनावों में यूकेडी ने अपनी उपस्थिति दर्ज भी कराई, लेकिन धीरे-धीरे पार्टी का जनाधार सिमटता चला गया। इस गिरावट के पीछे कई कारण रहे। सबसे बड़ा कारण संगठनात्मक कमजोरी और लगातार गुटबाजी रही। पार्टी कई बार टूट का शिकार हुई, नेतृत्व को लेकर विवाद सामने आए और कार्यकर्ताओं का एक बड़ा वर्ग धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर खिसकता गया। परिणाम यह हुआ कि राज्य आंदोलन की अगुवाई करने वाला दल राजनीतिक मुख्यधारा से लगभग बाहर हो गया।

दूसरी ओर, भाजपा और कांग्रेस ने क्षेत्रीय मुद्दों को अपने राजनीतिक एजेंडे में शामिल करना शुरू कर दिया। भू-कानून, मूल निवास, पलायन, बेरोजगारी और स्थानीय संसाधनों पर अधिकार जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय दलों ने भी उठाया, जिससे क्षेत्रीय दलों की विशिष्ट पहचान कमजोर होती गई। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि उत्तराखंड में क्षेत्रीय राजनीति पूरी तरह समाप्त हो गई है। दरअसल, जिन मुद्दों पर क्षेत्रीय दलों का जन्म हुआ था, वे आज भी जिंदा हैं। पहाड़ों से लगातार पलायन हो रहा है, युवाओं में बेरोजगारी को लेकर असंतोष है, भूमि और संसाधनों पर स्थानीय अधिकार की बहस जारी है और कई वर्गों में यह भावना भी है कि राज्य आंदोलन के मूल सपने अभी पूरे नहीं हुए हैं।

यही कारण है कि समय-समय पर क्षेत्रीय राजनीति की आवश्यकता फिर महसूस होने लगती है। जब भी स्थानीय अस्मिता और उत्तराखंडियत के सवाल प्रमुखता से उठते हैं, तब क्षेत्रीय दलों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुलते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए केवल भावनात्मक मुद्दे पर्याप्त नहीं होंगे। क्षेत्रीय दलों को मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व, युवा चेहरों और जमीनी आंदोलनों के जरिए खुद को पुनर्जीवित करना होगा।

आज उत्तराखंड की राजनीति दो राष्ट्रीय दलों के इर्द-गिर्द सिमटी हुई दिखाई देती है, लेकिन लोकतंत्र में राजनीतिक रिक्तता हमेशा बनी नहीं रहती। यदि जनता को यह महसूस होता है कि उनके स्थानीय मुद्दों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है, तो क्षेत्रीय राजनीति एक बार फिर नई ऊर्जा के साथ उभर सकती है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि क्षेत्रीय राजनीति का दौर खत्म हो रहा है या नहीं।

असली सवाल यह है कि क्या क्षेत्रीय दल बदलते राजनीतिक दौर के अनुरूप खुद को बदल पाने में सफल होंगे? यदि वे ऐसा कर पाए, तो उत्तराखंड की राजनीति में क्षेत्रीय स्वर फिर बुलंद हो सकते हैं। लेकिन यदि वे आंतरिक संघर्ष और नेतृत्व संकट से बाहर नहीं निकल पाए, तो राज्य आंदोलन की विरासत केवल इतिहास की किताबों तक सीमित होकर रह जाएगी।

चकराता की जनता परिवर्तन का मन बना चुकी : मधु चौहान

विकासनगर(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी का ब्लॉक कार्यकर्ता सम्मेलन ब्लॉक सभागार में संपन्न हुआ। इस दौरान कई लोगों के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने का दावा किया गया। भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने की सलाह दी। सम्मेलन में शिरकत कर रही पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते हैं। कार्यकर्ताओं की एकजुटता से पार्टी आगे बढ़ती है और पार्टी के प्रत्याशी चुनाव में जीत हासिल करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी की नेतृत्व में राज्य का चहुंमुखी विकास हुआ हैपूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस इस मुगालते में न रहे कि इस बार भी उसे जीत मिलेगी। कहा कि, इस बार चकराता विधानसभा की जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है। राज्य गठन के बाद से ही चकराता विधान सभा विकास में पिछड़ती रही, लेकिन जब भी प्रदेश में भाजपा की सरकार सत्ता में आई तब चकराता में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि साल 2027 में चकराता में ट्रिपल इंजन की सरकार काम करेगी। सम्मेलन के दौरान चिटाड गांव के पूर्व प्रधान सरदार सिंह के नेतृत्व में गांव के दर्जनों लोगों के भाजपा का दामन थामने का दावा किया गया। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ने पार्टी में नए शामिल सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाजपा का पटका पहनाया।

पेंशनधारकों ने किया तहसील में प्रदर्शन

ऋषिकेश(आरएनएस)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने वृद्धजन, दिव्यांग, निराश्रित महिलाएं आदि की पेंशन नहीं बढ़ाए जाने पर आक्रोश जताया। इसके विरोध में उन्होंने तहसील में प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज पेंशन बढ़ाने की मांग की। ऋषिकेश तहसील में कांग्रेस पार्षदों और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन कर एसडीएम कार्यालय के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। पार्षद अभिनव सिंह मलिक ने कहा कि वृद्धजन, निराश्रित महिलाएं, दिव्यांगजन एवं उत्तराखण्ड आंदोलनकारियों ने समाज और प्रदेश के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे सम्माननीय लोगों को आर्थिक असुरक्षा में जीवन व्यतीत करने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। सरकार को उनकी पेंशन में शीघ्र वृद्धि कर उन्हें राहत प्रदान करनी चाहिए।

पौड़ी में टायफाइड व बुखार के मरीज बढ़े

पौड़ी(आरएनएस)। दूषित पानी की आपूर्ति से इन दिनों लोग जलजनित बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्गों में टायफाइड, बुखार और खांसी के मामले बढ़ गए हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी में 350 से अधिक लोगों ने पंजीकरण करवाया। जिला अस्पताल में मौसमी बीमारियों की चपेट में आने से विशेषज्ञ चिकित्सकों के कक्ष के बाहर उपचार पाने के लिए सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी रही। एक फिजीशियन के अवकाश पर जाने से अस्पताल में एक ही रह गए हैं। ऐसे में मरीजों की लाइन लग रही है। फिजीशियन के पास सर्वाधिक 120 से अधिक लोगों ने जांच कराई। फिजीशियन डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि इन दिनों जलजनित बीमारियों के चलते सभी वर्गों के लोग बीमार हैं। इनमें भी टायफाइड, बुखार, खांसी के मामले सबसे अधिक हैं। उन्होंने लोगों को स्वच्छ व उबला पानी पीने, संतुलित पोषाहार लेने और फास्ट फूड से बचने की सलाह दी है। वहीं पीड़ित नरेंद्र रावत ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से खांसी होने से गुला दुख रहा है।

सालभर बाद भी घिंघराण सड़क का नहीं हुआ ट्रीटमेंट

चमोली(आरएनएस)। नगर क्षेत्र के समीप ब्रह्मसैंण मोहल्ले के निचले क्षेत्र में घिंघराण सड़क के भूस्खलन प्रभावित हिस्से का एक साल बाद भी उपचार नहीं हो पाया है। पिछले वर्ष सड़क के करीब 40 मीटर हिस्से में भूस्खलन होने से क्षेत्र को खतरा पैदा हो गया था लेकिन अब तक यहां कोई स्थायी सुरक्षा कार्य नहीं कराया जा सका है। बरसात का मौसम शुरू होते ही स्थानीय लोगों और दुकानदारों की चिंता फिर बढ़ गई है। स्थानीय विनोद सिंह, मनोज और माहेश्वरी देवी ने बताया कि सड़क किनारे सुरक्षा कार्य और ट्रीटमेंट कराने के लिए कई बार शासन-प्रशासन से गुहार लगाई गई लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। हल्की बारिश होने पर भी डर लगने लगता है। जिला पंचायत सदस्य जेपी पंवार और पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सीमा असवाल ने कहा कि यदि जल्द भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का ट्रीटमेंट नहीं किया गया तो इस बरसात में स्थानीय लोगों के साथ ही आसपास के दुकानदारों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने तत्काल अस्थायी सुरक्षा कार्य शुरू कराने की मांग उठाई। उधर लोनिवि के अधिशासी अभियंता तनुज कंबोज ने बताया कि घिंघराण सड़क के ट्रीटमेंट का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

कुदरत का अनोखा उपहार है 'लिंगूड़ा'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी समृ(जैव विविधता और पारंपरिक खान-पान के लिए भी जाने जाते हैं। इन्हीं प्राकृतिक उपहारों में एक नाम है लिंगूड़ा जो गर्मियों और बरसात के मौसम में पहाड़ों के जंगलों और नम इलाकों में स्वत: उगने वाली एक विशेष जंगली सब्जी है। वर्षों से यह पहाड़ी लोगों की थाली का हिस्सा रही है और अब इसकी पौष्टिकता तथा औषधीय गुणों के कारण इसकी मांग मैदानी क्षेत्रों में भी बढ़ने लगी है। लिंगूड़ा दरअसल एक प्रकार का जंगली फर्न है, जिसकी कोमल टहनियों और मुड़ी हुई पत्तियों को सब्जी के रूप में खाया जाता है। पहाड़ के गांवों में लोग इसे जंगलों से एकत्र कर घर लाते हैं और पारंपरिक तरीके से इसकी स्वादिष्ट सब्जी बनाते हैं। कई परिवार इसे सुखाकर लंबे समय तक भी सुरक्षित रखते हैं।

लिंगूड़ा में भरपूर मात्रा में फाइबर, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और कई प्रकार के एंटीआक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पाचन तंत्र को मजबूत करने और शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने में मददगार माना जाता है। पहाड़ के बुजुर्गों का मानना है कि नियमित रूप से लिंगूड़ा का सेवन शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और कई छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याओं में भी लाभ पहुंचाता है। गढ़वाल और कुमाऊं मंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगूड़ा केवल एक सब्जी नहीं, बल्कि पारंपरिक खान-पान और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। गांवों में बरसात के मौसम में लिंगूड़ा की सब्जी विशेष रूप से बनाई जाती है और इसे मंडुवे की रोटी या झंगोरे के साथ बड़े चाव से खाया जाता है।

◆स्वाद में लाजवाब सुपरफूड है, अब मैदानों में भी मचा रहा है धूम
◆बिना बोए उगने वाला लिंगूड़ा, सदियों से है पहाड़ों की थाली की असली जान
◆सेहत के लिहाज से बेहद मुफीद, औषधीय तत्वों के कारण बाजार में बढ़ी मांग
◆जंगलों में उगने वाली यह सब्जी बन रही स्वास्थ्य और रोजगार का आधार

बाजार में इसकी बढ़ती मांग के कारण लिंगूड़ा अब ग्रामीणों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी बनता जा रहा है। कई ग्रामीण जंगलों से लिंगूड़ा एकत्र कर स्थानीय बाजारों में बेचते हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होती है। यदि इसके संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन पर विशेष ध्यान दिया जाए तो यह पहाड़ के लोगों के लिए स्वरोजगार का अच्छा माध्यम बन सकता है। बढ़ती मांग के कारण लिंगूड़ा के अंधाधुंध दोहन से इसकी प्राकृतिक उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। इसलिए इसके संरक्षण और वैज्ञानिक तरीके से उपयोग की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस हिमालयी धरोहर का लाभ उठा सकें।

आज जब लोग प्राकृतिक और पौष्टिक खाद्य पदार्थों की ओर लौट रहे हैं, तब पहाड़ का लिंगूड़ा एक बार फिर चर्चा में है। यह केवल एक जंगली सब्जी नहीं, बल्कि पहाड़ की समृ(जैव विविधता, पारंपरिक ज्ञान और स्वस्थ जीवनशैली का प्रतीक है। पहाड़ की मिट्टी में उगने वाला यह हरा खजाना हमें बताता है कि प्रकृति ने हिमालय को स्वाद, स्वास्थ्य और समृ(के अनगिनत उपहारों से नवाजा है।

जलागम परियोजनाओं में लाएं गति, समयबद्ध ढंग से पूरे करें कार्य: सचिव

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जलागम सचिव दिलीप जावलकर ने विकास भवन सभागार में गढ़वाल मंडल के उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग एवं पौड़ी जनपदों में संचालित जलागम परियोजनाओं की मंडलीय समीक्षा की। बैठक में उन्होंने जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आजीविका संवर्द्धन तथा विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का आकलन करते हुए लंबित कार्यों में तेजी लाने और स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए।

सचिव ने कहा कि जलागम विभाग की योजनाओं का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि वर्षा जल संरक्षण, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन, मृदा संरक्षण, कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीणों की आजीविका को सशक्त बनाना है। उन्होंने चाल-खाल, चेकडैम, कंटूर ट्रेंच, सुरक्षा दीवार, सिंचाई गूलों के निर्माण एवं मरम्मत, नौले-धारों के पुनरुद्धार, पौधरोपण, चारागाह एवं फलोद्यान विकास तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन कार्यों को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है, उन्हें हर हाल में समय पर पूरा किया जाए तथा आवंटित धनराशि का शीघ्र एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी यूनिट अधिकारी क्षेत्रीय कार्यों की नियमित निगरानी करें और नयी परियोजनाओं के प्रस्ताव समय से तैयार कर निदेशालय को भेजें। बैठक में पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए सचिव ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जनपद एक सप्ताह के भीतर नोले-धारों के पुनरुद्धार के लिए पांच-पांच विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर निदेशालय को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि जल संकट के स्थायी समाधान और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों के संरक्षण के लिए यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए।

उन्नत ग्राम पंचायत संसाधन नियोजन कार्यक्रम (ईजीपीआरपी) की समीक्षा के दौरान सचिव ने प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को अगले दो माह के भीतर स्वीकृत कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध संसाधनों की पहचान कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। बैठक में उप निदेशक पौड़ी अजय कुमार सोनकर, रुद्रप्रयाग आर.पी. सिंह, उप निदेशक टिहरी सर्वेश्वर उनियाल, प्रभारी उप निदेशक उत्तरकाशी विजय घिल्डियाल, यूनिट अधिकारी मुकेश कुमार, अजय सिंह, बृजभूषण, प्रमोद काला, सोहन लाल कंडवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मस्सों को गायब कर देंगे ये मैजिकल ऑयल, जानें लगाने का तरीका

कई लोगों को आमतौर पर चेहरे या शरीर के अन्य भाग पर मस्से की समस्या हो जाती है। यह मस्से हाथ की उंगलियों, गर्दन, चेहरे या फिर अन्य ऐसी ही जगहों पर अचानक से निकल आते हैं। आमतौर पर स्किन के ऐसे पार्ट जहां फोल्ड्स बनते हैं वहां पर इनके होने के चांस बढ़ जाते हैं। मस्से यूं तो किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन यह लुक को प्रभावित जरूर कर देते हैं।

वैसे तो कई घरेलू उपचार हैं, जिनकी मदद से आप इन मस्सों को हटा सकते हैं। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल के बारे में बताएंगे जिसे रोजाना दिन में दो बार अप्लाई करने से मस्सों का सफाया हो जाता है।

1. नीम का तेल

नीम के तेल का उपयोग सदियों से सौंदर्य उत्पादों और प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में उपयोग किया जाता है। नीम का तेल कई ऐंटिफंगल और एंटीवायरल गुणों से युक्त होता है, जो मस्सों के इलाज में मदद कर सकता है। इस तेल को मस्सों पर लगाने से पहले किसी अन्य कैरियर ऑयल के साथ मिला लें और फिर मास्क के रूप में लगाएं।

2. टी-ट्री ऑयल

इस ऑयल में एंटी-माइक्रोबियल, एंटीसेप्टिक, एंटीवायरल और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। यह त्वचा के लिए बिल्कुल सुरक्षित है, इसलिए इसका प्रयोग सौंदर्य उत्पादों जैसे, साबुन और शैंपू में किया जाता है। टी-ट्री ऑयल को सीधे मस्से पर लगाया जा सकता है। इसका उपयोग दिन में दो बार कुछ महीने तक करने से लाभ मिलता है।

3. दालचीनी की छाल का तेल

दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी यौगिक गुण पाए जाते हैं। इसे पारंपरिक रूप से चिकित्सीय उपयोगों में अलग-अलग रूप से इस्तेमाल किया जाता है। दालचीनी का तेल बेहद गुणकारी होता है और अगर इसे मस्सों पर लगाया जाए, तो वह निकल जाते हैं। इस तेल को सीधे तौर पर नहीं लगाना चाहिए, नहीं तो स्किन में जलन पैदा होने लगती है। दालचीनी को किसी अन्य एसेंशियल ऑयल के साथ ही मिक्स कर के लगाएं।

4. ओरिगैनो ऑयल

ओरिगैनो ऑयल खाने पीने की चीजों के साथ घरेलू उपचार के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। इस तेल में ऐंटिफंगल, एंटीऑक्सिडेंट और दर्द-निवारक गुण मौजूद होते हैं। ओरिगैनो का तेल मस्सों के उपचार के लिए भी बेहद सहायक है। दिन में एक बार इस तेल का उपयोग करके आप बेहतरीन रिजल्ट पा सकते हैं। गर्भवती महिलाओं को अजवायन के तेल का उपयोग नहीं करना चाहिए।

5. लोबान का तेल

लोबान एक अत्यंत लोकप्रिय आवश्यक तेल है जिसका उपयोग अरोमाथेरेपी और घरेलू उपचार में किया जाता है। इसका धार्मिक और पारंपरिक अनुष्ठानों में एक अहम हिस्सा है। इसका उपयोग कई तरह की बीमारियों के लिए एक औषधीय उपचार के रूप में किया गया है। लोबान में कसैले, रोगाणुरोधी और घाव भरने वाले गुण हैं जो मस्से के इलाज में मदद कर सकते हैं। इसे उपयोग करने के लिए लोबान के तेल की कुछ बूंदे रूई पर डालें और फिर उसे मस्से पर रखें। उसके बाद इसे एक टेप से कवर कर लें। हफ्ते में दो बार ऐसा करने से मस्से से छुटकारा मिलेगा।

6. लौंग का तेल

लौंग का तेल मस्से सहित कई बीमारियों के लिए एक औषधीय उपचार के रूप में किया जाता है। लौंग के तेल में एंटीसेप्टिक और एंटीवायरल प्रॉपर्टीज होती हैं, जो मस्से के इलाज के लिए जानी जाती हैं। इस तेल को प्रतिदिन दो बार मस्से पर लगाएं।

नहाते समय रखें पांच बातों का ध्यान पास नहीं फटकेंगी बीमारियां

शरीर की साफसफाई के लिए प्रतिदिन नहाना चाहिए। नहाते समय शरीर के इन पांच हिस्सों की सफाई में हमारा ध्यान नहीं जाता है। इन हिस्सों की साफसफाई भी बहुत जरूरी है।

महिलाएं नहाते समय रोज अपने बाल नहीं धोती हैं, परंतु पुरुष रोज अपने बालों को धोते हैं। महिलाएं जब भी अपने बालों को धोएं तो अच्छे से शैंपू का इस्तेमाल करें। अगर आप बालों को सही तरीके से साफ नहीं करेंगे तो आपको बालों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। नहाते समय हम गर्दन की साफसफाई पर ध्यान नहीं देते हैं। गर्दन की साफसफाई न करने से स्किन से संबंधित एलर्जी हो सकती है। हफ्ते में दो से तीन बार गर्दन की सफाई अवश्य करें।

नाखूनों की साफसफाई भी जरूरी है। नाखूनों की गंदगी से भी कई तरह की बीमारियों का खतरा रहता है। हफ्ते में एक बार नहाते समय नाखूनों को सही तरीके से साफ करने की आदत बना लें। नहाते समय नाभि की सफाई करना न भूलें। आप नाभि को साफ करने के लिए रुई का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। रुई को हल्के गरम पानी में भीगाकर नाभि को आसानी से साफ किया जा सकता है। नहाते समय पीठ की सफाई करना न भूलें। रोजाना पीठ को साफ करने से स्किन संबंधित समस्याओं से बचा जा सकता है। रोज नहीं भी करें तो हफ्ते में दो से तीन बार नहाते समय पीठ की सफाई अवश्य करें।

'वजूद' की जंग लड़ रही 'यूकेडी'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के बीच प्रदेश का एकमात्र क्षेत्रीय दल, उत्तराखंड क्रांति दल एक बार फिर अपनी राजनीतिक जमीन तलाशने की कोशिश में जुट गया है, जिस दल ने अलग उत्तराखंड राज्य की लड़ाई को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, वही दल आज अपने राजनीतिक अस्तित्व और प्रासंगिकता की चुनौती से जूझ रहा है।

❍क्षेत्रीय दल ने अलग राज्य की लड़ाई को पहुंचाया था जन-जन तक
❍एकमात्र क्षेत्रीय दल अपनी राजनीतिक जमीन तलाशने को है मजबूर
❍शुरुआती मजबूत उपस्थिति के बाद आई थी यूकेडी में आंतरिक फूट
❍लगातार टूट व बड़े राष्ट्रीय दलों के प्रभाव से कमजोर पड़ गया जनाधार

उत्तराखंड राज्य आंदोलन की कोख से निकले यूकेडी को कभी पहाड़ की अस्मिता, क्षेत्रीय पहचान और उत्तराखंडियों की आवाज के रूप में देखा जाता था। राज्य गठन के शुरुआती वर्षों में पार्टी ने विधानसभा में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई और प्रदेश की राजनीति में प्रभावी भूमिका निभाई। लेकिन समय के साथ आंतरिक कलह, लगातार टूट-फूट और बड़े दलों के बढ़ते प्रभाव ने यूकेडी के जनाधार को कमजोर कर दिया।

आगामी विधानसभा चुनाव में यूकेडी एक बार फिर राज्य आंदोलन की विरासत और मूल मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाने की तैयारी कर रहा है। पार्टी स्थानीय लोगों के अधिकार, सशक्त भू-कानून, मूल निवास, बेरोजगारी, पलायन और प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय जनता के हक जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की रणनीति बना रही है। यूकेडी नेताओं का कहना है कि उत्तराखंड राज्य का सपना केवल सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं देखा गया था, बल्कि एक ऐसे राज्य के निर्माण के लिए था, जहां पहाड़ की जरूरतों के अनुरूप नीतियां बनें और स्थानीय लोगों को प्राथमिकता मिले। पार्टी का आरोप है कि राज्य गठन के बाद सत्ता में रही राष्ट्रीय पार्टियां उत्तराखंड आंदोलन की मूल भावना को पूरा करने में असफल रही हैं।

वर्तमान में यूकेडी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपना खोया हुआ जनाधार वापस हासिल करने की है। प्रदेश की राजनीति लंबे समय से भाजपा और कांग्रेस के इर्द-गिर्द सिमट गई है, जिससे क्षेत्रीय दलों के लिए राजनीतिक स्पेस लगातार कम हुआ है। युवा मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग यूकेडी के संघर्ष और राज्य आंदोलन में उसकी भूमिका से बहुत अधिक परिचित नहीं है। ऐसे में पार्टी के सामने अपनी विचारधारा और प्रासंगिकता को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की भी चुनौती है।

हाल के वर्षों में भू-कानून, मूल निवास, पलायन और स्थानीय संसाधनों पर अधिकार जैसे मुद्दों ने प्रदेश में क्षेत्रीय अस्मिता की बहस को फिर से तेज किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यूकेडी इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच ले जाने में सफल रहती है, तो वह एक बार फिर अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज करा सकती है। उत्तराखंड की राजनीति में समय-समय पर तीसरे विकल्प की आवश्यकता महसूस की जाती रही है। यूकेडी इसी राजनीतिक रिक्तता को भरने का प्रयास कर रही है। हालांकि पार्टी की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने, युवा नेतृत्व को आगे लाने और जनता के मुद्दों को आंदोलन का रूप देने में कितनी सफल होती है।

विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच एक सवाल फिर प्रदेश की राजनीति में गूंज रहा हैकृक्या उत्तराखंड आंदोलन में आगे रही यूकेडी अपने पुराने गौरव को हासिल कर पाएगी, या फिर क्षेत्रीय राजनीति का यह अध्याय केवल इतिहास के पन्नों तक सिमट कर रह जाएगा?

सार्वजनिक रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग तेज

उत्तरकाशी(आरएनएस)। हुड़ोली बाजार में सार्वजनिक पैदल मार्ग पर अतिक्रमण का मामला एक बार फिर गरमा गया है। शिकायतों के बावजूद रास्ता पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। अब प्रशासन की जांच में दोनों पक्षों की ओर से सरकारी भूमि पर कब्जा मिलने के बाद मामला नया मोड़ ले चुका है।

ग्रामीण किशन सिंह रावत ने उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर रास्ते को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। किशन सिंह का आरोप है कि उनकी दशकों पुरानी दुकान के समीप स्थित सार्वजनिक पैदल मार्ग पर कुछ माह पहले एक व्यक्ति ने अतिक्रमण कर दिया जिससे स्थानीय लोगों के आवागमन में परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि तहसील प्रशासन, पुलिस और जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं निकल पाया।

उन्होंने बताया कि 29 जनवरी 2026 को उपजिलाधिकारी पुरोला, 31 मार्च को प्रभारी मंत्री, 9 अप्रैल को मुख्यमंत्री तथा 27 मई को मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई थी। प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने का नोटिस भी जारी किया, लेकिन कार्रवाई बीच में ही ठप पड़ गई और आज तक रास्ता अतिक्रमण मुक्त नहीं हो सका। इधर, उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला ने बताया कि राजस्व विभाग की जांच में दोनों पक्षों की ओर से सरकारी भूमि पर कब्जा पाया गया है। दोनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की जा चुकी है और नियमानुसार कानूनी प्रक्रिया जारी है।

शब्द सामर्थ्य -074

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2		■	■	3	■	■	■
4		■	5			6	■	7
■	8			■	9			
10	■	■		■	■		■	
11				■	12			■
	■		■	13		■	14	
16	17		■	18				■
■		■	19			■	■	20
21		■		■	■	22		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 73 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

हरी पत्तेदार सब्जियों को इस तरह से करें स्टोर, लंबे समय तक रहेंगी ताजी

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और धनिया हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इनका सेवन विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता है। हालांकि, इन्हें सही तरीके से स्टोर न करने पर जल्दी खराब हो जाती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपनी हरी पत्तेदार सब्जियों का पूरा आनंद ले सकते हैं।

पानी में धोकर सुखाएं- हरी पत्तेदार सब्जियों को खरीदने के बाद सबसे पहले इन्हें अच्छे से धो लें। इसके लिए एक बर्तन में पानी लें और उसमें थोड़ा सा सिरका मिलाएं, फिर इन सब्जियों को 5-10 मिनट तक इस घोल में भिगोकर रखें। इसके बाद इन्हें साफ पानी से धोकर छान लें। इसके बाद इन सब्जियों को एक सूखे कपड़े पर फैलाकर धूप में सुखाएं। इससे इनकी नमी कम होगी और वे जल्दी खराब नहीं होंगी।

प्लास्टिक थैली का करें इस्तेमाल- धोने के बाद हरी पत्तेदार सब्जियों को प्लास्टिक की थैली में रखना एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एक साफ प्लास्टिक की थैली लें और उसमें सूखी हुई सब्जियों को डालें, फिर थैली को हल्का सा बंद करके हवा निकाल दें। अब इस थैली को फ्रिज में रखें। इससे सब्जियां ताजा रहेंगी और जल्दी खराब नहीं होंगी। ध्यान रखें कि थैली बहुत ज्यादा भरी न हो ताकि सब्जियों को हवा मिलती रहे।

अखबार में लपेटें- अगर आपके पास अखबार हो तो आप हरी पत्तेदार सब्जियों को उसमें लपेटकर भी रख सकते हैं। इसके लिए एक या दो पन्ने लेकर उसमें सब्जियों को अच्छे से लपेटें, फिर इन्हें किसी ठंडी जगह पर रखें जैसे कि फ्रिज का निचला हिस्सा या कूलर। इससे सब्जियां ताजा रहेंगी और जल्दी खराब नहीं होंगी। ध्यान रखें कि अखबार बहुत गीला न हो ताकि सब्जियों पर पानी न पड़े।

हवा बंद डिब्बे का करें उपयोग- अगर आप हवा बंद डिब्बे का उपयोग करते हैं, तो यह भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक साफ हवा बंद डिब्बा लें और उसमें सूखी हुई सब्जियों को रखें, फिर डिब्बे को बंद करके फ्रिज में रखें। इससे सब्जियां ताजी रहेंगी और उनमें कोई गंदगी नहीं आएगी। इस तरीके से आप अपनी हरी पत्तेदार सब्जियों को लंबे समय तक रख सकते हैं और उनका पूरा आनंद ले सकते हैं।

सूखे कपड़े का इस्तेमाल करें- हरी पत्तेदार सब्जियों को स्टोर करते समय सूखे कपड़े का उपयोग करना भी फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक सूखा कपड़ा लें और उसमें सब्जियों को अच्छे से ढक दें, फिर इस कपड़े को किसी ठंडी जगह पर रखें जैसे कि फ्रिज का निचला हिस्सा या कूलर। इससे सब्जियां ताजी रहेंगी और जल्दी खराब नहीं होंगी। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत गीला न हो ताकि सब्जियों पर पानी न पड़े।

हैंड ब्लेंडर से आप झटपट बना सकते हैं ये व्यंजन, स्वाद में होते हैं लाजवाब

हैंड ब्लेंडर एक ऐसा रसोई उपकरण है, जो आपके खाना पकाने के अनुभव को काफी आसान और मजेदार बना सकता है। यह उपकरण खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो कम समय में स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाना चाहते हैं। आइए आज हम आपको ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप आसानी से हैंड ब्लेंडर से बना सकते हैं। ये जल्दी बन जाते हैं और सभी को पसंद भी आते हैं।

आम रस

गर्मी के साथ-साथ आम का सीजन भी चल रहा है। इस दौरान आप लजीज आम रस का स्वाद चख सकते हैं, जो हैंड ब्लेंडर से आसानी से बन जाएगा। इसे बनाने के लिए पहले ताजा आम की गुठली अलग करें और उन्हें हैंड ब्लेंडर से पीस लें। अब इस मलाईदार मिश्रण में इलायची पाउडर, चीनी, पानी और अन्य मसाले डालकर इसे परोसें। इसे आप पूड़ी के साथ खा सकते हैं या ऐसे ही पी सकते हैं।

पालक की चटनी

पालक की चटनी एक सेहतमंद और स्वादिष्ट चटनी है, जिसे आप चावल या रोटी के साथ खा सकते हैं। इसके लिए आपको ताजा पालक की पत्तियों, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, नमक और नींबू का रस चाहिए होंगी। सभी सामग्रियों को अपने हैंड ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। यह चटनी खाने का स्वाद बढ़ाएगी और सेहत के लिए भी फायदेमंद होगी।

आम का पन्ना

गर्मियों में आम का पन्ना एक बेहतरीन पेय है, जो आपको तरोताजा रखता है। इसके लिए कच्चे आम को उबालकर उसका गूदा निकाल लें। फिर इसमें पुदीना, काला नमक, जीरा पाउडर और चीनी डालकर हैंड ब्लेंडर से मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। इसे ठंडा करके परोसें और बर्फ डालकर इसके स्वाद को और बढ़ा दें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि आपको गर्मी से भी राहत दे सकता है।

मूंगफली की चटनी

मूंगफली की चटनी दक्षिण भारत के व्यंजनों में बहुत लोकप्रिय है। इसे बनाने के लिए भुनी हुई मूंगफली, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक चाहिए। सभी सामग्री को हैंड ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। यह चटनी इडली, डोसा या किसी भी स्नैक के साथ बहुत अच्छी लगती है। इसका अनोखा स्वाद आपके खाने का मजा बढ़ा देगा और हर व्यंजन के साथ अच्छा लगेगा।

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती, धैर्य और लगातार मेहनत ही असली चाबी है: अद्रिजा रॉय

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। अद्रिजा रॉय ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है। उन्होंने कहा, टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।

अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है। यह लंबे समय तक नहीं टिकती। दूसरी ओर सफलता एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें लगातार काम करना, अपने अभिनय को बेहतर बनाना और हर किरदार में सुधार लाना जरूरी होता है। जो लोग इस इंडस्ट्री में स्थायी रूप से सफल होना चाहते हैं, उन्हें समझना होगा कि सिर्फ चर्चा में रहना काफी नहीं है, बल्कि अपने काम में निरंतरता बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा, धैर्य मेरे लिए एक सोचने का तरीका बन गया है। धैर्य ने मुझे अपने काम के प्रति ज्यादा गंभीर और शांत बनाया है। अब मैं हर सीन को जल्दीबाजी में नहीं करती, बल्कि उसे समझकर और समय देकर निभाने की कोशिश करती हूं।

श्रीनिवास मंगपुरम में अभिनेता मोहन बाबू का फर्स्ट लुक जारी

डायरेक्टर अजय भूपति की नई फ़िल्म, श्रीनिवास मंगपुरम, अपने फ़र्स्ट लुक पोस्टर्स की वजह से काफ़ी चर्चा में है। इस फ़िल्म से सुपरस्टार कृष्णा के पोते और महेश बाबू के भतीजे, जया कृष्णा घटामनेनी डेब्यू कर रहे हैं। उनके साथ रवीना टंडन की बेटी, राशा थडानी भी तेलुगू फ़िल्मों में अपना डेब्यू कर रही हैं।

फ़िल्म बनाने वालों ने अब मोहन बाबू का एक ज़बरदस्त फ़र्स्ट लुक जारी किया है, जिसमें वे वेंकटप्पय्या नायडू के किरदार में नज़र आ रहे हैं। वे एक गाँव के ताक़तवर मुखिया बने हैं। उनके सफ़ेद-काले बाल, घनी मूँछें और सादा सफ़ेद कुर्ता-धोती वाला पहनावा उनकी ज़बरदस्त धाक को दिखाता है; वहीं, उनके ठंडे और सख़्त हाव-भाव से लगता है कि उनके अंदर कहीं कोई दबी हुई आग सुलग रही है।

यह पोस्टर एक शानदार, दबंग और दमदार फर्स्ट लुक पेश करता है, जो उस इंसान के सार को पूरी तरह से दिखाता है जो अपने इलाके पर पक्के इरादे के साथ राज करता है। मोहन बाबू पहले ही टीम में शामिल हो चुके हैं, और फ़िलहाल शूटिंग चल रही है। इस फ़िल्म की टेक्निकल टीम बहुत मज़बूत है; जीवी प्रकाश कुमार ने इसका म्यूज़िक तैयार किया है और जयकृष्ण आईएससी ने इसकी सिनेमैटोग्राफ़ी संभाली है।

श्रीनिवास मंगपुरम में बेहतरीन कारीगरी का वादा किया गया है; इसकी एडिटिंग का काम माधव कुमार गुल्लापति ने संभाला है और प्रोडक्शन डिज़ाइन साही सुरेश ने किया है। एक्शन स्पेशलिस्ट रियल सतीश फ़िल्म के हाई-इंटेंसिटी वाले एक्शन सीन को कोरियोग्राफ़ कर रहे हैं, जिससे फ़िल्म का अंदाज़ और भी ज़्यादा दमदार हो गया है। अजय भूपति के ज़बरदस्त विज़न, कहानी को आगे बढ़ाने वाले नए चेहरों और मोहन बाबू के नेगेटिव रोल के साथ, श्रीनिवास मंगपुरम हर मामले में खरी उतरती है।

नयार नदी पुनर्जीवन की डीपीआर एक सप्ताह में भेजें : जावलकर

पौड़ी(आरएनएस)। प्रमुख सचिव एवं जनपद के प्रभारी सचिव दिलीप जावलकर ने कलेक्ट्रेट सभागार में जल स्रोत एवं नदी पुनर्जीवन प्राधिकरण (सारा) की बैठक में नयार नदी पुनर्जीवन परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर डीपीआर शासन को भेजने के निर्देश दिए।बैठक में जलागम विभाग ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजना का विस्तृत ब्यौरा रखा। प्रभारी सचिव ने कहा कि नयार घाटी पेयजल, सिंचाई और ग्रामीण आजीविका का प्रमुख आधार है। ऐसे में नदी और जल स्रोतों का संरक्षण पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत जलागम आधारित उपचार, कंटूर ट्रेंच, तालाब, चेकडैम निर्माण, माइक्रोप्लानिंग, जियोटैगिंग और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसे वैज्ञानिक उपाय अपनाए जाएंगे। सीडीओ अशोक जोशी को पूर्वी और पश्चिमी नयार क्षेत्र से संबंधित समेकित एवं अद्यतन डाटा तैयार कराने के निर्देश दिए गए। बैठक के बाद प्रभारी सचिव ने पुराने कलेक्ट्रेट भवन को हेरिटेज भवन के रूप में विकसित किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा करने व भवन की ऐतिहासिक पहचान बनाए रखने के निर्देश दिए।

सड़क निर्माण के लिए तहसील परिसर में प्रदर्शन

नई टिहरी(आरएनएस)। घनसाली विधानसभा क्षेत्र में लंबित सड़कों का निर्माण शुरू करने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पर आक्रोश रैली निकाली। बाद में एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर भटवाड़ी-सौरासारी-दुगड्डा-झाला-बूढ़ाकेदार, खाल-कल्दी-हटकुणी-भाटगांव-घुत्तू-पंवालीकांठा सड़कों का निर्माण शुरू करने, चमियाला-कोटलगांव-लंबगांव, जाखधार-घनसाली-चिरबटिया मोटर मार्ग का चौड़ीकरण करने की मांग की। मांगों के समर्थन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद जोशी, जसवीर नेगी, पूर्व विधायक भीम लाल आर्य और ज्येष्ठ प्रमुख प्यार सिंह बिष्ट के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वहां आयोजित बैठक में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों में घनसाली विधानसभा क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल सहित कई विकास कार्य ठप पड़े हैं। इससे क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। कहा सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है लेकिन धरातल पर कार्य नहीं हो पा रहे हैं। सरकार ने जल्द उक्त सड़कों का निर्माण पूरा करने की मांग की है। ऐसा न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। इस मौके पर मौके पर बालकृष्ण नौटियाल, कुंवर सिंह रावत, विजय राणा, जिला पंचायत सदस्य विजय लाल, ममता पंवार, मुन्नी देवी आदि मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.074

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.73 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

यात्रा मार्गों के संवेदनशील स्थलों पर हों स्थायी सुरक्षा कार्य: आयुक्त

आयुक्त ने निर्माण कार्यों की समीक्षा कर गुणवत्ता, समयबद्धता और नियमित निगरानी पर दिया जोर

हमारे संवाददाता

पौड़ी। आयुक्त गढ़वाल मंडल, आनंद स्वरूप ने आज आयुक्त सभागार में निर्माण एवं अवसंरचना से जुड़े 14 विभागों की समीक्षा बैठक लेते हुए विकास परियोजनाओं में तेजी लाने, गुणवत्ता बनाए रखने तथा सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं जाममुक्त आवागमन उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंडलायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग तथा संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा मार्ग पर चिन्हित क्रिटिकल एवं डेंजर जोन का प्राथमिकता के आधार पर उपचार किया जाए। जिन स्थानों पर प्रतिवर्ष भूस्खलन की समस्या आती है, वहां स्थायी सुरक्षा कार्य किए जाएं, ताकि यात्रा निर्बाध रूप से संचालित हो सके। उन्होंने बाईपास, सुरंगों एवं प्रमुख सड़क परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए।

मंडलायुक्त ने कहा कि जो परियोजनाएं अंतिम चरण में हैं अथवा

पूर्ण होने की स्थिति में हैं, उन्हें इसी वर्ष पूरा कर जनता को समर्पित किया जाए। उन्होंने मंडल की सभी 41 विधानसभा क्षेत्रों में संचालित विकास कार्यों का विधानसभावार विवरण, स्वीकृत धनराशि, कार्य प्रारंभ होने की तिथि एवं वर्तमान प्रगति उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की पूर्ण एवं अपूर्ण स्थिति का अद्यतन विवरण भी प्रस्तुत करने को कहा।

मंडलायुक्त ने मंडलीय अधिकारियों को नियमित रूप से जनपदों का भ्रमण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्षाकाल के दौरान प्रतिदिन बंद एवं चालू सड़कों की अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराने तथा आपदा प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में विभागवार समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग एवं एनएचएआई को यात्रा मार्ग पर यातायात प्रबंधन, जाम वाले स्थलों के स्थायी समाधान तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही लोक निर्माण विभाग को निर्माणाधीन सड़क एवं पुल परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने तथा वर्षाकाल में त्वरित मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में अर्थ एवं संख्या अधिकारी (मंडलीय) शिल्पा भाटिया जोशी, मुख्य अभियंता स्तर-1 लोनिवि ओम प्रकाश, अधीक्षण अभियंता लोनिवि महिपाल सिंह रावत, जल संस्थान प्रवीण सैनी, प्रोजेक्ट मैनेजर ब्रिडकुल संजय कुमार जैन, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के आनंद सिंह, अपर अर्थ एवं संख्या अधिकारी अरविंद मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुआवजे में गड़बड़ी पर गुस्साए, मवाणा में ग्रामीणों ने रोका रेलवे का काम

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। घोलतीर के मवाणा गांव में रेलवे निर्माण कार्य से प्रभावित लोगों का भवनों का अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने रेलवे निर्माण स्थल पर पहुंचकर काम रुकवाया और प्रदर्शन किया। उन्होंने मुआवजे में अनियमितता का आरोप लगाया।

ग्रामीणों ने कहा कि सर्वे होने के बावजूद कई प्रभावित परिवारों के नाम अंतिम मुआवजा सूची में शामिल नहीं किए गए हैं जबकि कई प्रभावितों को मुआवजा राशि नुकसान के अनुरूप नहीं दी गई है। मवाणा गांव के ग्रामीण सुबह आठ बजे रेलवे निर्माण स्थल पर पहुंचे और काम रोककर प्रदर्शन किया। महिला मंगल दल अध्यक्ष सरिता देवी ने कहा कि सर्वे के अनुरूप मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। कई प्रभावित परिवारों को सूची से बाहर रखा गया है। वहीं मुआवजे के नाम पर 400 और 300 रुपये तय किए हैं।

प्रभावित मोहन असवाल ने कहा कि रेलवे निर्माण से उनके मकान को भी नुकसान पहुंचा लेकिन उनका नाम अंतिम सूची में नहीं है। उन्होंने सर्वे को गलत बताया है। मवाणा क्षेत्र पंचायत सदस्य सतीश राणा ने आरोप लगाया कि रेलवे निर्माण कार्य में लगी कंपनी पहले भी मनमानी करती रही है। अब भवनों को हुई क्षति का भी सही आकलन नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि अंतिम सूची में कई लोगों को 400 और 800 रुपये तक की मुआवजा राशि रखी है जिससे क्षति की भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि सभी प्रभावितों को उचित मुआवजा नहीं मिला तो ग्रामीण आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि वह शाम चार बजे तक वहीं डटे रहे लेकिन न तो प्रशासनिक अधिकारियों मौके पर पहुंचा, न ही कोई अधिकारी, न ही कंपनी का कोई जिम्मेदार प्रतिनिधि। दूसरी ओर रेलवे निर्माण में लगी कंपनी के अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत का प्रयास किया लेकिन लोगों ने प्रशासन की मौजूदगी में ही वार्ता करने की बात कही। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक प्रशासन पूरे मामले में हस्तक्षेप कर समाधान नहीं निकालता तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

स्कूल-कॉलेजों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू बिक्री पर चलेगा प्रशासन का डंडा!

बागेश्वर(आरएनएस)। जनपद को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अवैध मादक पदार्थों और तंबाकू उत्पादों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने के संकेत दिए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय एन-कोर्ड (हृष्टह्रक्रष्ठ) समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्कूलों एवं कॉलेजों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू, गुटखा, पान मसाला सहित अन्य प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों तथा संबंधित विभागों को नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने और उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने पुलिस एवं आबकारी विभाग को निर्देशित किया कि एनडीपीएस तथा आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त तत्वों पर निर्णायक प्रहार किया जा सके। साथ ही उन्होंने संबंधित विभागों को जनपदभर में नशा मुक्ति के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर समाज की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा ने बताया कि मई माह में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत दो तथा आबकारी अधिनियम के तहत सात अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त कोटपा (धूम्रपान निषेध) अधिनियम के तहत 75 व्यक्तियों के चालान किए गए, जबकि औषधि निरीक्षक द्वारा आठ प्रतिष्ठानों का निरीक्षण भी किया गया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी अवैध नशे के कारोबार और तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल, औषधि निरीक्षक पूजा रानी, एसीएमओ अनुपमा हायांकि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन के इस सख्त रुख से स्पष्ट है कि जनपद में नशे के खिलाफ अब कार्रवाई और अधिक तेज एवं व्यापक स्तर पर संचालित की जाएगी।

मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधानसभा बागेश्वर एवं कपकोट से संबंधित मुख्यमंत्री की कुल 119 घोषणाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई। बैठक में विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं एवं संबंधित विभागों द्वारा घोषणाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति तथा शासन एवं विभागीय स्तर पर लंबित प्रकरणों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने योजनाओं की धरातलीय प्रगति का विश्लेषण करते हुए सभी विभागों को लंबित कार्यों में शीघ्रता लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं को समन्वय स्थापित करते हुए दक्षता, गुणवत्ता एवं स्मार्ट वर्क के साथ लंबित कार्यों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल, परियोजना निदेशक शिल्पी पंत, जिला समाज कल्याण अधिकारी दिनेश सिंह रावत, विभिन्न अभियंत्रण विभागों के अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एमडीडीए की योजनाओं में हिंदी राजभाषा को अपनाने की मांग

हमारे संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा प्राधिकरण उपाध्यक्ष,मुख्यमंत्री,मुख्यसचिव,सचिव शहरी विकास,गढ़वाल आयुक्त, जिलाधिकारी,शहरी विकास मंत्री को लिखे गए पत्रों में एक बार फिर से अनुरोध किया गया है कि योजना का प्रारूप हिंदी भाषा में भी प्रकाशित किया जाए। आमजन की भाषा हिंदी में बिना पढ़े लिखे सोचे समझे योजना पर आम जन द्वारा आपत्तियां देना असंभव है। संगठन सचिव सुशील त्यागी ने लिखा है कि प्राधिकरण ने अतीत में अनेक मास्टर प्लान बनाए हैं परंतु इनके परिणाम आज शहर की सड़कों पर अतिक्रमण और सड़कों पर ट्रैफिक जाम, गलियों सड़कों पर पार्किंग की समस्याएं,कंक्रीट के जंगल,प्रदूषित वातावरण और पर्यावरण के विनाश के रूप में सामने आए हैं। स्थानीय निवासियों के हितों पर पर्यटन और कथित विकास को वरीयता दी गई है जिससे संतुलित विकास की अवधारणा ही प्राय: खत्म है और आश्चर्य तब है जब राज्य और राष्ट्रीय मंचों पर हमारे वैज्ञानिक,पर्यावरणविद,विशेषज्ञ, नेतागण संतुलित विकास पर गला फाड़ फाड़ के व्याख्यान दे रहे है जो भविष्य के लिए दुखद स्थिति है। संगठन का मानना है की मास्टर प्लान 2041 बनाने से पहले ही पीडब्लूडी, नगरनिगम, ट्रैफिक पुलिस, जलनिगम,जलसंस्थान,वनविभाग, खनन, सिंचाई, उद्यान, प्रदूषण बोर्ड,तकनीकी राष्ट्रीय संस्थानों,शासन, प्रशासन सहित स्थानीय सेवानिवृत्त अधिकारियों,प्रबुद्ध नागरिकों के सुझाव भी मसौदा बनाने से पहले शामिल कर लिए जाने चाहिए।

शहीद वीर अब्दुल हमीद को उनकी जयंती पर याद

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद को उनकी जयंती पर याद किया। वीर अब्दुल हमीद का जन्म एक जुलाई 1933 में उत्तर प्रदेश गाजी पुर के धरमपुर गांव के एक मध्यम वर्गीय परिवार में मोहम्मद उस्मान के घर में हुआ था। बचपन से तैराकी, निशाने बाजी व कुश्ती के शौक रखने वाले हमीद में देशभक्ति अंदर कूट-कूट कर भरी हुई थी। छोटी आयु में ही उन्होंने परमवीर चक्र प्राप्त किया जो कि देश के लिए एक सम्मान की बात है देश वासी उन्हें कभी नहीं भुला पाएंगें। इस मौके पर समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी और उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने बताया कि वीर अब्दुल हमीद अपने पिता के साथ सिलाई दर्जी का काम किया करते थे। वे 1954 में दर्जी का काम छोड़, इंडियन आर्मी में भर्ती हो गए। पाकिस्तान से हुए 1965 के युद्ध के अंदर अपने बहादुरी का लोहा मनवाते हुए पाकिस्तान के पैटर्न टैंक जो उसने अमेरिका से लिए थे जिन पर पाकिस्तान बहुत फूलता और गर्व करता था उनको उड़ा दिया। लगातार आठ टैंकों को उड़ाया जिससे पाकिस्तान को बहुत बड़ा झटका लगा उसका सारा घमंड व गुरूर चकना चूर कर उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। वीर अब्दुल हमीद अपनी इसी बहादुरी के साथ देश का नाम रोशन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए और शहादत पाई।

भारतीय जैन मिलन ने मेनका गांधी के बयान के विरोध में सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। भारतीय जैन मिलन के नेतृत्व में जैन समाज के प्रतिनिधियों ने एडीएम स्मिता परमार जायसवाल को प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर श्रीमती मेनका गांधी द्वारा जैन धर्म एवं दिगंबर संतों की पिच्छिका के संबंध में दिए गए कथित भ्रामक एवं तथ्यहीन बयान पर गहरा विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन में मधु सचिन जैन केंद्रीय महिला संयोजिका ने जानकारी देते हुए बताया कि मिथ्या आरोपों के विरोध में धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आपराधिक मुकदमा दर्ज करने हेतु विरोध प्रदर्शन ज्ञापन देना जरूरी हो गया है। जैन धर्म अहिंसा, करुणा और 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर आधारित है।

समाज का कहना है कि पिच्छिका के निर्माण के लिए मोरों की हत्या किए जाने संबंधी बयान असत्य है तथा इससे जैन समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पिच्छिका प्राकृतिक रूप से झड़ने वाले मोरपंखों से बनाई जाती है और इसका उपयोग सूक्ष्म जीवों की रक्षा के उद्देश्य से किया जाता है। भारतीय जैन मिलन ने केंद्र सरकार से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर, यदि विधि के अनुसार कोई अपराध बनता हो, तो संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में किसी भी धर्म के प्रतीकों एवं मान्यताओं के संबंध में तथ्यहीन एवं भ्रामक टिप्पणियों से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी आग्रह किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि जैन समाज सदैव शांति, अहिंसा, राष्ट्रहित और सामाजिक सेवा के लिए समर्पित रहा है तथा समाज अपनी धार्मिक आस्था और सम्मान की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखता रहेगा।

इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेश चंद जैन, क्षेत्र संख्या-14 के क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय जैन, जैन मिलन पारस के अध्यक्ष अंकुर जैन, मधु सचिन जैन (केंद्रीय महिला संयोजिका एवं मीडिया प्रभारी) जैन मिलन प्रगति, जैन मिलन महावीर, जैन मिलन मूक माटी की प्रतिनिधि सिम्मी जैन (धार्मिक संयोजिका), अजय जैन, प्रतीक जैन, जितेंद्र जैन, सुरेश जैन, पूनम जैन, प्रीति जैन, गौरव जैन, अनिल जैन सहित सकल जैन समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मॉल के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मॉल के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुलरघाटी रोड निवासी सुमित कुमार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से मॉल में गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल मॉल के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बीजापुर से होगी कैंट क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति!

देहरादून (कार्य)। कैंट क्षेत्र (डाकरा) में लंबे समय से बनी पेयजल की समस्या के समाधान के लिए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने उत्तराखंड सब एरिया के डिप्टी जीओसी राम सिंह थापा के साथ बैठक कर पेयजल आपूर्ति और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि बीजापुर से कैंट क्षेत्र तक पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही जल आपूर्ति व्यवस्था को स्थायी रूप से बेहतर बनाने के लिए नए ट्यूबवेल की सुविधा विकसित करने पर भी सहमति बनी। इसके लिए आवश्यक भूमि आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने की बात कही गई।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कैंट युवा समिति के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए बीजापुर से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था जल्द शुरू की जाएगी, ताकि आने वाले समय में क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सके।

बैठक में कैंट बोर्ड अस्पताल से जुड़े विषय पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अस्पताल की सेवाओं का संचालन जनहित को प्राथमिकता देते हुए किया जाना चाहिए। उन्होंने अस्पताल के निजी संस्थान से जुड़ी प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने एसपी से की शिष्टाचार भेंट

◆महिला सुरक्षा, जागरुकता एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर हुई सार्थक चर्चा

हमारे संवाददाता

चमोली। पुलिस कार्यालय गोपेश्वर में आज उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष, चन्द्रकला तिवारी एवं महिला मोर्चा की सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पँवार से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष चन्द्रकला तिवारी ने पुलिस अधीक्षक को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा जनपद में कानून-व्यवस्था एवं महिला सुरक्षा के क्षेत्र में पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। बैठक के दौरान महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, साइबर अपराधों से महिलाओं की सुरक्षा, घरेलू हिंसा, बालिकाओं के प्रति जागरुकता तथा महिला हेल्पलाइन सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही महिलाओं से जुड़े मामलों के त्वरित एवं संवेदनशील निस्तारण तथा जनजागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पँवार ने कहा कि पुलिस महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है तथा स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं, ताकि महिलाएं अपने अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी उपायों के प्रति जागरूक हो सकें।

इस दौरान कुंवर सिंह रावत, रश्मि रावत, योगिनी चरिता, आशा देवी, दीप्ति कोठियाल, कलावती पाठक व ज्योति मैठाणी मौजूद रहे।

मानसूनी आपदा से निपटने को जनपद के सात स्थानों पर कल होगा मॉक ड्रिल

संवाददाता

देहरादून। मानसून के दौरान संभावित आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन, 2 जुलाई को जनपद देहरादून के सात संवेदनशील स्थलों पर व्यापक मॉक अभ्यास (मॉक ड्रिल) आयोजित करेगा।

यहां मानसून के दौरान संभावित आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन, 2 जुलाई को जनपद देहरादून के सात संवेदनशील स्थलों पर व्यापक मॉक अभ्यास (मॉक ड्रिल) आयोजित करेगा। इस अभ्यास के माध्यम से बाढ़, भूस्खलन, जलभराव, सड़क अवरोध, राहत एवं बचाव कार्यों सहित विभिन्न आपदा परिस्थितियों में विभागों की तत्परता, समन्वय और संसाधनों की उपलब्धता का परीक्षण किया जाएगा। मॉक अभ्यास के लिए दूधली क्षेत्र, सुसवा नदी एवं सोंग नदी तटीय गौहरीमाफी (ऋषिकेश), कार्लीगढ़ क्षेत्र, लंबीधार, किमाड़ी मोटर मार्ग (मसूरी), चकरातादृमोरी मोटर मार्ग (तहसील चकराता), सहसपुर-जमनीपुर में आसन एवं स्वर्णा नदी तटीय क्षेत्र (विकासनगर) तथा सहस्रधारा क्षेत्र (देहरादून) को चिन्हित किया गया है। इन स्थानों पर विभिन्न संभावित आपदा परिदृश्यों के अनुरूप राहत एवं बचाव अभियान का अभ्यास किया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जनपद एवं तहसील स्तर पर गठित इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम (आईआरएस) में नामित अधिकारियों तथा सभी रेखीय विभागों को निर्धारित समय पर पूर्ण तैयारी के साथ मॉक ड्रिल में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभ्यास के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित अधिकारी या कार्मिक के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने जनसामान्य से भी अपील की है कि यह केवल मानसून आपदा प्रबंधन की तैयारियों का परीक्षण करने के उद्देश्य से आयोजित मॉक अभ्यास है। इसलिए किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और न ही घबराएं। उन्होंने नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने की बात कही।

चोरी की कार के साथ दो भाईयों सहित तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की कार के साथ दो भाईयों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुर कला निवासी नुरूलहक ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी टवेरा कार घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी कार अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चैकिंग अभियान शुरू कर दी। चैकिंग के दौरान पुलिस ने एक टवेरा कार को रूकने का इशारा किया तो वह कार को तेजी से भगा ले गये।

पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही घेर लिया। पुलिस ने कार में सवार तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर वाहन के कागजात मांगे तो कागजात नहीं दिखा सके। कडी पूछताछ में उन्होंने कार को हरिपुर से चोरी करना स्वीकार किया।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सागर थापा पुत्र राजू थापा व अमन थापा पुत्र राजू थापा निवासी नवोदय नगर सिडकुल हरिद्वार व गंगा चौधरी पुत्र गोपी चोधरी निवासी नवोदय नगर सिडकुल बताया।

जज के पिता से मारपीट मामले में चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

हमारे संवाददाता

देहरादून। जज के पिता के साथ हुई मारपीट के मामले में तीन दिन बीत जाने के बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं किए जाने के आरोपो के बीच एसएसपी देहरादून ने बड़ी कार्रवाई करते हुए धारा चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया है। जानकारी के अनुसार जज के पिता के साथ मारपीट की घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत की थी। बताया जा रहा है कि घटना के तीन दिन बाद भी धारा चौकी पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। मामले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने के बाद यह मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी देहरादून ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धारा चौकी इंचार्ज विनीता चौहान को लाइन हाजिर करने के आदेश जारी कर दिए हैं। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल का कहना है कि कानून सभी के लिए समान है, किसी भी शिकायत के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कॉस्मेटिक की आड़ में ड्रग की सप्लाई करने वाला गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। कास्मेटिक की आड़ में नारकोटिक ड्रग की सप्लाई करने वाले शातिर को एसटीएफ/एएनटीएफ की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से वाणिज्य मात्रा कोडीन व ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किये है। आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जो पूर्व में भी नशीली दवाओं की बिक्री मामले में जेल की हवा खा चुका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि बीते रोज नशा तस्करी (बिक्री) की एक सूचना के बाद थाना कलियर, जनपद हरिद्वार में एसटीएफ/एएनटीएफ टीम द्वारा ड्रग इंस्पेक्टर को साथ में लेकर कई संदिग्ध स्थानो पर दबिश देकर छापेमारी की कार्यवाही की गयी, इसी दौरान एहतिशाम कॉस्मेटिक जनरल स्टोर पर छापा मारा गया तो अहतशाम उल हक पुत्र शहीद निवासी बुड्ढाहेड़ी थाना पथरी हरिद्वार से वाणिज्य मात्रा कोडीन व ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किये गये। एसटीएफ/ एएनटीएफ देहरादून टीम व ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा आरोपी से संबंधित अन्य संभावित ठिकानो पर दबिश दी गई तो आरोपी के कब्जे से प्रतिबंधित 3.9 किलोग्राम कोडीन सिरप व ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद हुई, जिन्हे आरोपी द्वारा मूल कीमत से कई गुना अधिक मूल्य पर बेचकर अवैध लाभ अर्जित किया जा रहा था। एसटीएफ प्रकरण में अन्य संलिप्त व्यक्तियों एवं नेटवर्क की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आरोपी पूर्व में भी नशीली दवाओं की बिक्री में जा चुका है जेल

15.15 करोड़ से बना खजूरखाल-भण्डारीखोड़ मोटर मार्ग

हमारे संवाददाता

चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत सीमांत जनपद चमोली के विकासखंड गैरसैंण में 15.375 किलोमीटर लंबा खजूरखाल-भण्डारीखोड़ मोटर मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिशासी अभियंता प्रमोद गंगाड़ी ने बताया कि इस मोटर मार्ग का निर्माण 15 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। सड़क निर्माण पूर्ण होने से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित, सुगम एवं सर्वकालिक आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। इस सड़क के निर्माण से कूनीगाड़ मल्ली, कूनीगाड़ तल्ली, कूनीगाड़ बिचली, कोठा, भण्डारीखोड़ सहित आसपास के अनेक गांवों के हजारों

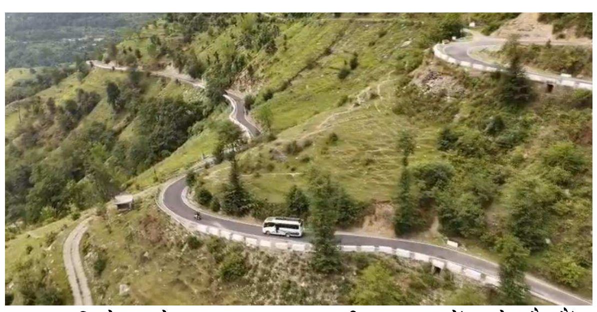

ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क स्थापित होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक ग्रामीणों की पहुंच पहले की अपेक्षा अधिक आसान और तेज होगी। मोटर मार्ग बनने से स्थानीय किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को अपने कृषि, बागवानी एवं अन्य स्थानीय उत्पादों को गैरसैंण तथा चौखुटिया के बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। इससे परिवहन लागत में कमी आएगी, समय की बचत होगी तथा ग्रामीणों की आय और आजीविका को भी नई मजबूती मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने निर्माण कार्य के दौरान विभागीय अधिकारियों को गुणवत्ता के उच्च मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि खजूरखाल-भण्डारीखोड़ मोटर मार्ग के निर्माण से क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। यह सड़क न केवल आवागमन को सुगम बनाएगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।